सत्र- 2024-25

शास्त्री- प्रवेश परीक्षा, आदर्श प्रश्नपत्र

विषयः- संस्कृतम्, पत्र- तृतीय

समय – १ घण्टा **सम्पूर्णाङ्क – ५०**

निर्देश –

सभी प्रश्नों का समाधान अनिवार्य है।

सभी प्रश्नों को ध्यान से पढ़ें और निर्देशों का पालन करें।

प्रश्न-संख्या के अनुसार उत्तरों की संख्या लिखें।

इकाई. क

अत्यन्त लघूत्तरीय प्रश्न

निम्न प्रश्नों का समाधान करें – **10 x 1 =10**

1) माहेश्वर सूत्र हैं –
क) 12, ख) 11, ग) 14, घ) 26

2) अभिज्ञानशाकुन्तल रचना है –
क) दण्डी की, ख) माघ की, ग) बाणभट्ट की, घ) कालिदास की

3) शुद्ध पद है –
क) हिमालयेन्, ख) नद्यस्य, ग) मातृया, घ) पितुः

4) शुद्ध वाक्य है –
क) मित्रस्य सह गच्छ, ख) युवां संस्कृतं पठतम्,
ख) यूयं तत्र गच्छथः घ) आवां पुस्तकान् न पठथ।

5) नायकः में सन्धि है –
क) गुण, ख) वृद्धि, ग) अनुस्वार, घ) अयादि

6) मनांसि का लिङ्ग है –
क) पुं., ख) स्त्री., ग) नपुं, घ) उभयलिङ्ग

7) नामन् का चतुर्थी-एकवचन है –
क) नामाय, ख) नामने, ग) नाम्ने घ) नामनि

8) गीता में अठारह अध्याय होते हैं - का अनुवाद है –
क) गीते अष्टादशाः अध्यायाः भवन्ति।
ख) गीत्यां अष्टादशाः अध्यायाः भवन्ति।
ग) गीतासु अष्टदश अध्यायानि भवन्ति।
घ) गीतायाम् अष्टादश अध्यायाः भवन्ति।

9) दृश धातु का तुमुन् प्रत्ययान्त रूप है –

क) दृष्टुम्, ख) दर्शिष्टुम्, ग) द्रष्टुम्, घ) दर्शितुम्

10) बुद्ध का जन्म लुम्बिनीवन में हुआ था – का अनुवाद है

क) बुद्धस्य जनम लुम्बिनीवने अभवत्।

ख) बुद्धस्य जन्म लुम्बिनीवने अभवत्।

ग) बुद्धस्य जन्मं लुम्बिनीवने अभवत्।

घ) बुद्धस्य जन्मः लुम्बिनीवने अभवत्।

इकाई. ख

अति लघूत्तरीय प्रश्न

सभी प्रश्नों का समाधान अपेक्षित है – **5 x 2 =10**

1) नदी शब्द की षष्ठी व सप्तमी विभक्ति के रूप

2) साधु शब्द की द्वितीया और हरि शब्द की तृतीया विभक्ति के रूप

3) युष्मद् तथा तत् (पुं) की चतुर्थी विभक्ति के रूप

4) महत् (पुं) तथा राजन् की द्वितीया विभक्ति

5) जगत् और मनस् की प्रथमा विभक्ति के रूप

इकाई. ग

लघूत्तरीय प्रश्न

सभी प्रश्नों का उत्तर दें – **5 x 4 =20**

1) ज्ञा धातु का लङ् तथा लृट् लकार

2) कृ का लोट् लकार और स्था का लट् लकार

3) करण कारक की परिभाषा और 2 उदाहरण

4) क्त्वा – तुमुन् प्रत्ययों के पाँच वाक्य

5) पाँच अव्यय शब्दों का वाक्य प्रयोग

इकाई. घ

दीर्घोत्तरीय प्रश्न

संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिये – **1 x 10 =10**

संस्कृतभाषामहत्त्वम्

****